उम्मीद की नई किरण

(धमाका न्यूज चैनल की संवाददाता सपना जोशी तथा सहायक कैमरामैन अरविंद भोसले हर समय किसी धमाकेदार खबर के इंतजार में रहते हैं। अपने नये कार्यक्रम 'उम्मीदे' में जब उन्होंने भारत के युवाओं से बात की तो एक कड़वा सच सामने आया, आइये देखते हैं क्या उन्हें उम्मीद की कोई किरण नजर आई या नहीं)

आप देख रहे हैं धमाका न्यूज चैनल जो देता है आपको धमाकेदार खबर, हर पल। मैं हूँ धमाका न्यूज चैनल की रिपोर्टर सपना जोशी और मेरे साथ हैं मेरे सहायक कैमरामैन अरविन्द भोसले।
आपका पसंदीदा कार्यक्रम लेकर आज हम आपके सामने उपस्थित हैं जिसका नाम है 'उम्मीदें'। इस कार्यक्रम में हम सीधी बात करते हैं समाज के विभिन्न तबकों के लोगों से और जानते हैं उनकी देश व समाज से क्या उम्मीदे हैं और देश व समाज की उनसे क्या उम्मीदे हैं।
आज 12 जनवरी है यानि राष्ट्रीय युवा दिवस। आज का यह धमाकेदार एपिसोड भारत के युवाओं को समर्पित है। 18 से 35 साल की युवा उम्र जिसमें होता है कुछ कर गुजरने का जज्बा, आसमां को छूने की ललक, सितारों को पाने का अरमां, सागर को थाह लेने का उत्साह और बुलंदियों पर पहुँचने का जुनून। साथ ही कई चुनौतियां भी हैं – परिवार की जिम्मेवारी, भविष्य की चिंता, बढ़ता काम्पीटिशन, संबंधों में तनाव। आइये हम बात करते हैं ऐसे कुछ युवाओं से उनके सपनों के बारे में, उनकी उम्मीदों के बारे में।
एक युवा का प्रवेश (टपोरी टाइप)
सपना जोशी: हैलो, आप अभी कैमरे के सामने हैं। हमारे खास कार्यक्रम उम्मीदें में आपका स्वागत है। हम जानना चाहते हैं कि आपकी देश से क्या उम्मीदे हैं, खुद से क्या उम्मीदे हैं। अपने भविष्य प्लानस के बारे में बतायें।
युवा: अरे अपुन को क्या, बस अच्छी नौकरी और अच्छी छोकरी मिल जाये, लाइफ मस्त।
सपना जोशी: देश की भी आपसे कुछ उम्मीदे हैं
युवा: अपुन को देश-वेश से मतलब नहीं, अपुन तो अपने से ही मतलब रखता है।
सपना: चलिये हम दूसरे युवा से पूछते हैं
दूसरा युवा (नशे की हालत में) (गीत गुनगुना रहा -)
सपना जोशी: अरे-अरे ये क्या, भारत का युवा इस हालत में। आपको पता है, यह नशा आपको धीरे-धीरे मौत की तरफ ले जा रहा है।
दूसरा युवा: अरे ले जाने दो ना। यहाँ मरने की किसको जल्दी है।
सपना: आप अपने देश भारत के बारे में क्या सोचते हैं।
दूसरा युवा: भारत, सुना हुआ सा लगता है। कोई नया एक्टर आया है क्या
सपना जोशी: क्या होगा हमारे देश का, युवा तो देश का भविष्य है। यह वही देश है जिसने विवेकानंद, भगत सिंह, गांधी जी, सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों को पैदा किया। कहाँ गई वह देशभक्ति की भावना, परिवार के प्रति कर्त्तव्यों का बोध, समाज को कुछ देने की भावना,

सच्चरित्रता। आज तो सब जगह चरित्रहीनता, आवारापन, गुंडागर्दी, नशे के आदी युवा ही दिखाई देते हैं। अगर हमारी युवा पीढी इसी तरह गलत दिशा में आगे बढ़ती रही तो देश का सर्वनाश हो जायेगा। अगर हमें अपने देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाना है तो युवाओं की सोच, उनके चरित्र को उज्ज्वल बनाना होगा।

(ब्रह्माकुमार युवा भाई-बहन का प्रवेश) (गीत: जलते हुए अंगारों पर तुम्हें...) नारे लगा रहे हैं –

युवा जागेगा, जग जागेगा।

युवा बने चरित्रवान, विश्व का करे कल्याण

नैतिकता के पथ पर – हम चलेंगे हम चलेंगे

विश्व का परिवर्तन – हम करेंगे हम करेंगे

युवा जब जग जायेगा, स्वर्ग धरा पर लायेगा

सपना: अरे देखो, सामने से कुछ युवा आ रहे हैं। इनके चेहरे पर कितनी दिव्यता है, कितना तेज है। चलो जानते हैं ये कौन हैं?

सपना: हमारे खास कार्यक्रम उम्मीदें में आपका स्वागत है। आप कैमरे के सामने है। आप लोग कौन हैं और ये नारे क्यों लगा रहे हैं।

ब्रह्माकुमारी बहन: हम लोग ब्रह्माकुमारी संस्था के युवा प्रभाग से हैं। युवा प्रभाग सन् 1985 से युवाओं के लिए कार्य कर रहा है। भटके हुए युवाओं को सही रास्ता दिखाना, उनका चरित्र निर्माण करना, उन्हें अपनी जिम्मेवारी का बोध कराना, व्यसनमुक्त बनाना जैसे कार्य प्रभाग द्वारा किये जाते हैं। प्रभाग से 1 लाख से अधिक युवा देश के कोने-कोने से जुड़े हैं जो अनुशासित हैं, व्यसनमुक्त हैं, चरित्रवान हैं और अपनी पारिवारिक जिम्मेवारियों को निभाते खाली समय को समाज व राष्ट्र के उत्थान में लगा रहे हैं।

सपना: आप लोग तो विवेकानन्द के सपने को साकार कर रहे हैं। उनका सपना था ऐसे चरित्रवान युवाओं का संगठन बनाने का जो देश को उन्नति के शिखर तक ले जायें। अरे वाह..हमें ऐसे ही संगठन की तलाश थी..अच्छा हमें बतायें, इस प्रभाग द्वारा युवाओं के लिए कौन-कौन से प्रोजेक्टस चलाये जाते हैं..

ब्रह्माकुमारी:

युवा प्रभाग द्वारा वर्तमान में जो प्रोजेक्टस चल रहे हैं उनमें से एक है

1. टच द लाइट:

सन् 2007 में किशोरावस्था के स्कूली बच्चों को नैतिक मूल्यों और श्रेष्ठ संस्कारों की शिक्षा देने के उद्देश्य से इसे प्रारंभ किया गया। इस प्रोजेक्ट का स्लोगन है : Catch them innocent, make them real saints.

इस सेवायोजना के अंतर्गत कक्षा 7, 8 तथा 9 के विद्यार्थियों को लिया गया है। हफ्ते में एक दिन बी.के.भाई-बहनें उनका क्लास लेते हैं। वर्तमान समय भारत के 2200 स्कूलों के 2 लाख से अधिक विद्यार्थी इस सेवायोजना का लाभ ले रहे हैं। इन बच्चों के व्यवहार तथा आचरण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इसी कारण इसे अभिभावकों, शिक्षकों, बच्चों की तरफ से काफी सराहा जा रहा है।

2. **सशक्त युवा मंच** (EYF)

वर्ष 2008 में 16 से 35 वर्ष के युवाओं को सशक्त बनाने हेतु इसे प्रारंभ किया गया। इसका लक्ष्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं में गुणों तथा शक्तियों को जागृत करना है ताकि वे दृढ़ता व समझ के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकें। इस प्रोजेक्ट का स्लोगन है: Let us value Youth Assets.

3. दिव्य दर्पण (DIDAR)

बी.के. युवाओं के सशक्तिकरण के लिए एक सुंदर प्रोजेक्ट 'दिव्य दर्पण' 2009 में तैयार किया गया।

इसके अस्तित्व में आने के पीछे यही लक्ष्य है कि युवाओं का एक ऐसा ग्रुप तैयार किया जाये जो मूल्यनिष्ठ हो और हर मायने में एक उदाहरण हो फिर उसे गवर्मेन्ट के सामने ले जाया जाये।

Ignite the Youth for Glorious India.

वर्ष 2011-12 प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्लेटिनम जुबली वर्ष में युवा प्रभाग ने एक नये प्रोजेक्ट का शुभारम्भ किया जिसका नाम है – IGNITE THE YOUTH for GLORIOUS INDIA (उज्ज्वल भारत के लिए युवा जागृति)। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से युवाओं को निराशा व नकारात्मकता के वातावरण से निकाल उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने का प्रयास किया जाता है। इसके अलावा भी कई प्रोजेक्टस हैं जैसे ग्रामीण युवाओं के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर, नौकरी करने वाले युवाओं के लिए क्षितिज आदि-आदि।

सपना जोशी: वाह क्या बात है। अभी तो उम्मीद की किरण नहीं, पूरा उम्मीद का सूर्य ही नजर आने लगा है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत का युवा विश्व में सर्वश्रेष्ठ होगा, चरित्रवान होगा। विवेकानंद की तरह भारत का नाम रोशन करेगा। आज का हमारा यह शो सबसे सफल रहा है। जो भी युवा इस शो को देख रहे हैं, उन्हें भी यूथ विंग से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। चलिए अब हम इजाजत लेते हैं, आप देख रहे हैं धमाका न्यूज चैनल, जो देता है आपको धमाकेदार खबर, हर पल। सबसे लास्ट, फिर भी फास्ट।